| 22 | ΤΟΣ ΣΑΡΚΟΣ ΟΥΔΕ ΕΚ ΘΕΛΗΜΑΤΟΣ ΑΝΔΡΟΣ | 30 |
|---|---|----------|
| 23 | ΑΛΛ' ΕΚ $\overline{\Theta Y}$ ΕΓΕΝΗΘΗΣΑΝ3. 14 ΚΑΙ Ο ΛΟΓΟΣ ΣΑΡΞ | |
| 24 | ΓΕΝΕΤΟ ΚΑΙ ΕΣΚΗΝΩΣΕΝ ΕΝ ΗΜΙΝ ΚΑΙ ΕΘΕ- | 31 30 |
| 25 | ΑΣΑΜΕΘΑ ΤΗΝ ΔΟΞΑΝ ΑΥΤΟΥ ΔΟΞΑΝ $\Omega\Sigma$ ΜΟ- | 29 |
| 26 | ΝΟΓΕΝΟΥΣ ΠΑΡΑ ΠΑΤΡΟΣ ΠΛΗΡΗΣ ΧΑΡΙΤΟΣ ΚΑΙ | 34 |
| 27 | ΑΛΗΘΕΙΑΣ 15 ί Ω ΑΝΗΣ ΜΑΡΤΥΡΕΙ ΠΕΡΙ ΑΥΤΟΥ | 31 |
| 28 | KAI ΚΕΚΡΑΓΕ ΛΕΓΩΝ \cdot ΟΥΤΟΣ ΗΝ ΟΝ ΕΙΠΟΝ Ο | 30 |
| 29 | ΟΠΙΣΩ ΜΟΥ ΕΡΧΟΜΕΝΟΣ ΕΜΠΡΟΣΘΕΝ ΜΟΥ | 29 |
| 30 | ΓΕΓΟΝΕΝ ΟΤΙ ΠΡΩΤΟΣ ΜΟΥ ΗΝ 16 ΟΤΙ ΕΚ ΤΟΥ | 29 |
| Ende der Seite korrekt | | |
| Text: | | |
| Blatt 44 → Luk 24,51-Joh 1,1-16 | | |
| Beginn der Seite korrekt | | |
| 01 24,51 καὶ ἐγένετο ἐν τῷ εὐλογεῖν αὐτοὺς | | |
| 02 διέστη ἀπ' αὐτῶν καὶ ἀνεφέρετο εἰς τὸν | | |
| 03 οὐρανόν. 52 καὶ αὐτοὶ προσκυνήσαντες αὐ- | | |
| 04 τὸν ὑπέστρεψαν εἰς Ἰερουσαλὴμ μετὰ χαρᾶς | | |
| 05 μεγάλης διὰ παντὸς ἐν τῷ | | |
| 06 ἱερῷ εὐλογοῦντες τὸν θεόν. | | |
| | ΕΥΑΓ' ΓΕΛΙΟΝ | |
| | KATA | |
| | AOVKAN | |

³ Korrekt: ΕΓΕΝΝΗΘΗΣΑΝ.